

आउज/आउस पुं. (तद्.) आघात से बजाया जाने वाला एक वाद्य यंत्र, ताशा।

आउट वि. (अं.) 1. क्रिकेट रन आउट होने, विकेट के गिरने, पग-बाधा आदि के कारण बल्लेबाज की खेल पारी की समाप्ति 2. टेनिस, बैडमिंटन आदि खेलों में गेंद/शटल आदि का सीमा रेखा से बाहर गिरना।

आउटडोर वि. (अं.) बाहरी, बहिरंग 1. चिकित्सालय में दाखिल न किए गए रोगी, आउटडोर रोगी होते हैं 2. भवन के भीतर न खेले जाने वाले खेल, आउटडोर गेम्ज़ (खेल) कहलाते हैं।

आउट स्विंगर पुं. (अं.) (क्रिकेट) ऐसी गेंद जो उछाल लेते ही स्टंप से बाहर की दिशा में मुड़ जाती है बिना. इनस्विंगर।

आउन्स पुं. (अं.) तौलने की अंग्रेजी माप जो लगभग सवा दो तोले के बराबर है।

आउ-बाउ पुं. (अनु.) निरर्थक शब्द, अंड-बंड।

आउस पुं. (तद्.) एक प्रकार का धान जो वर्षा में ही पक जाता है।

आकंठ वि. (तत्.) 1. कंठ तक, गले तक 2. ला.अर्थ. पूरी तरह प्रयो. वह नव धनाढ्य आजकल विलासिता में आकंठ डूबा हुआ है।

आकंपन पुं. (तत्.) काँपना, कंपन, कंपकंपी।

आकंपित वि. (तत्.) काँपा हुआ, हिला हुआ, कंपकंपाया हुआ।

आक पुं. (तद्.) अर्क, मदार, एक विशेष जंगली पौधा जिसके पत्तों से निकलने वाला दूध आँखों के लिए हानिकर माना जाता है।

आक की बुढ़िया स्त्री. (देश.) 1. आक के गूलर (फल) में से, रूई जैसी, निकलने वाली वस्तु 2. कमजोर और दुबली वृद्ध।

आकटि वि. (तत्.) कमर तक, सामान्यतयः वर्षा के पानी की ऊँचाई अथवा गहराई अभिव्यक्त करने के लिए।

आकबत स्त्री. (अर.) 1. मृत्यु के बाद की स्थिति अथवा समय 2. परलोक।

आकबाक पुं. (तद्.) अकबक, ऊटपटांग बात वि. (देश.) ऊटपटांग, अंड-बंड, अव्यवस्थित।

आकर पुं. (तत्.) 1. खान, भंडार 2. ग्रंथ समूह, संदर्भग्रंथ।

आकरभाषा स्त्री. (तत्.) (आकर+भाषा) ऐसी सम्मानित प्राचीन भाषा जिसे कुछ आधुनिक भाषाओं की जननी माना जाता हो, इन भाषाओं पर तथा अन्य भाषाओं पर भी आकर भाषा का प्रभाव शब्द आदि स्तर पर बना रहता है।

आकरिक पुं. (तत्.) 1. खान खोदने वाला 2. जो व्यक्ति स्वयं खान खोदे और धातु निकाले 3. खान का स्वामी 4. खान अधिकारी।

आकरी पुं. (तद्.) 1. खान से उत्पन्न, खनिज। स्त्री. (तद्.) 2. खान खोदने का काम।

आकर्ण वि. (तत्.) कान तक फैला हुआ प्रयो. भट्टिनी के विशाल नयन आश्चर्य से आकर्ण विस्फारित हो गए (बाणभट्ट की आत्मकथा)।

आकर्णकृष्ट वि. (तत्.) (आ+कर्ण+कृष्ट) कान तक खींचा गया। आमतौर पर धनुष-संधान के विषय में प्रयुक्त।

आकर्णित वि. (तत्.) सुना हुआ।

आकर्ष पुं. (तत्.) 1. अपनी ओर खींचने की क्रिया या भाव। 2. चुंबक 3. पाँसा 4. पैसे लगाकर खेला जाने वाला जुआ 5. धनुष तानने का कार्य 6. वशीकरण।

आकर्षक वि. (तत्.) दूसरों को अपनी ओर खींचने वाला, आकर्षित करने वाला, सुंदर।

आकर्षण पुं. (तत्.) खिंचाव, किसी व्यक्ति या वस्तु की किसी दूसरे व्यक्ति या वस्तु की ओर खिंचने की स्थिति।

आकर्षण शक्ति स्त्री. (तत्.) भौतिक. पदार्थ का वह गुणधर्म जिससे वह अन्य पदार्थ को अपनी ओर खींचता है, आकर्षण बल।

आकर्षित वि. (तत्.) आकृष्ट, खींचा हुआ, खिंचा हुआ।